चौथी भारत-स्विस वित्तीय वार्ता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में चौथी भारत-स्विस वित्तीय वार्ता का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया।

//

प्रमुख बिंदु:

वार्ता की मुख्य विशेषताएँ:

- वार्ता के दौरान दोनों देशों द्वारा निवेश, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA), राष्ट्रीय निवेश और बुनियादी ढाँचा कोष (NIIF), फिनटेक, स्थायी वित्त और सीमा पार वित्तीय सेवाओं सहित विभिन्न पहलुओं पर सहयोग हेतु अनुभवों को साझा किया गया।
- इसके अतिरिक्त बुनियादी ढाँचों के वित्तपोषण के साथ-साथ जी-20, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और अर्थव्यवस्था के डिजिटिलीकरण से उत्पन्न कर चुनौतियों से संबंधित मामलों पर भी चर्चा की गई।
- दोनों पक्षों ने स्वच्छता और कोविड के पश्चात की दुनिया पर समन्वित द्विपक्षीय कार्यवाही के महत्त्व पर ज़ोर दिया।

भारत-स्विट्ज़रलैंड संबंध:

- **राजनैतिक संबंध:**
  - वर्ष 1948 में नई दिल्ली में भारत और स्विट्ज़रलैंड के बीच मित्रता की संधि पर हस्ताक्षर किये गए थे।
  - भारत की गुटनिरपेक्षता की नीति और स्विटजरलैंड की तटस्थता की पारंपरिक नीति ने दोनों देशों के बीच घनिष्ठता को बढ़ावा दिया है।
- **आर्थिक संबंध:**

- भारत-स्वट्जिरलैंड द्वपिक्षीय नविश संधि (BIT) पर बातचीत चल रही है।
- भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थकि भागीदारी समझौते (**TEPA**) पर भी बातचीत जारी है।
    - यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) आइसलैंड, लकिटेंस्टीन, नॉर्वे और स्वट्ज़रलैंड का अंतर-सरकारी संगठन है।
    - ये देश यूरोपीय संघ (EU) का हस्सिा नहीं हैं, जसिके साथ भारत एक अलग व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है जसिे भारत-यूरोपीय संघ आधारति व्यापार और नविश समझौता कहा जाता है।

- **अन्य क्षेत्रों में सहयोग:**
    - एक 'इंडो-स्वसि ज्वाइंट रसिर्च प्रोग्राम' (ISJRP) वर्ष 2005 में शुरू कयिा गया था।
    - **कौशल प्रशक्षिण: दोनों देशों के कई संस्थानों ने भारत में कौशल प्रशक्षिण के उच्चतम मानकों को लागू करने के लयि सहयोग कयिा है। जैसे:**
        - भारतीय कौशल वकिास परसिर और वश्विवद्यिालय, जयपुर।
        - इंडो-स्वसि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, पुणे।
        - वोकेशनल ट्रेनगि सेंटर, आंध्र प्रदेश।
    - **नम्नि कार्बन और जलवायु अनुकूल शहरों के वकिास हेतु क्षमता नर्मिाण (CapaCITIES):**
        - 'स्वसि एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन' (SDC) भारतीय शहरों में CapaCITIES परयिोजना के कार्यान्वयन का समर्थन कर रहा है।
        - CapaCITIES परयिोजना का उद्देश्य भारतीय शहरों की क्षमताओं को मज़बूत करना, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लयि उपायों की पहचान करना, योजना बनाना और एकीकृत तरीके से वर्तमान स्थतियिों को जलवायु परविर्तन हेतु अनुकूल बनाना है।

स्रोत-पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/4th-india-swiss-financial-dialogue